

कार्यकारी सारांश

टी.ओ. आर. पहचान संख्या: NOTO24A0000RJ5633273N
हेतु

मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट प्रस्तावित रोहिड़ा चूना पत्थर खदान हेतु, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तारुंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरड़ोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरोही, राजस्थान में स्थित है



परियोजना प्रस्तावक:

मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड

पर्यावरण सलाहकार:

इकोमेन माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड



(पूर्व में इकोमेन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड)

QCI/NABET द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र संख्या. NABET/EIA/25-28/RA 0403, वैधता March 23, 2028

द्वितीय तल हॉल, एच संख्या बी -1/8, सेक्टर-एच, अलीगंज, लखनऊ -226 024 (उ. प्र.)

दूरभाष: (0522) 2746282, 4079201

ईमेल: contactus@ecomen.in

1(ए) - (3) खनिजों का खनन, श्रेणी 'ए' - ग्रीन फील्ड परियोजना

मार्च-मई 2025 के दौरान आधारभूत डेटा का सृजन एनएबीएल अनुमोदित

प्रयोगशाला इकोमेन माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया (प्रमाणपत्र संख्या.: TC 12751)

मेसर्स इकोमेन माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड
(पूर्व में इकोमेन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड)

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

कार्यकारी सारांश

परिचय

कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड ने 8.91 एमटीपीए (कुल उत्खनन) (चूना पत्थर - 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत-0.24 एमटीपीए, ओबी- 5.78 एमटीपीए और मिट्टी - 0.04 एमटीपीए) की प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ चूना पत्थर खनन परियोजना का प्रस्ताव दिया है, इसके साथ ही 800.9935 हेक्टेयर क्षेत्र में वॉबलर के साथ 1000 टीपीएच क्रशर और 200 टीपीएच स्क्रीनिंग की स्थापना होगी, परियोजना रोहिड़ा, भारजा, तारूंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला और खराडोली गांवों के अंतर्गत, तहसील-पिंडवाड़ा, जिला- सिरौही, राजस्थान में स्थित है।

यह रिपोर्ट पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी दिनांक 05.05.2025 के पत्र संख्या एफ. सं. IA-J-11015/81/2024-IA-II (NCM) के संदर्भ में ईआईए अध्ययन हेतु तैयार की गई है। 22-23 अप्रैल, 2025 को आयोजित विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (गैर-कोयला खनन) की 43वीं बैठक के दौरान संदर्भ की शर्तें प्रदान की गईं।

समय-समय पर संशोधित 14 सितंबर, 2006 की ईआईए अधिसूचना के अनुसार, यह परियोजनाश्रेणी "ए" (>250 हेक्टेयर) के अंतर्गत आता है, ईआईए अधिसूचना, 2006 की अनुसूची और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार परियोजनाएं; "खनिज खनन" के लिए परियोजना या गतिविधि 1 (ए) – 3 में आता है।

माइनिंग लीज़ की स्थिति

- राजस्थान सरकार के खदान एवं पेट्रोलियम विभाग द्वारा 800.9935 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए आशय पत्र (एलओआई) स्वीकृत किया गया है। यह आदेश संख्या पी 3(6) खान/ग्रुप-2/2022, दिनांक 13.03.2023 द्वारा जारी किया गया है, जो 12.03.2025 तक वैध है। अब एलओआई पी.3(6) खान/ग्रुप-2/2022, दिनांक 25.07.2023 के अनुसार 12.03.2026 तक वैध है।
- पर्यावरण मंजूरी प्राप्त होने के बाद लीज़ निष्पादित किया जाएगा।
- एमएमडीआर अधिनियम, 2015 के अनुसार, माइनिंग लीज़ निष्पादन की तिथि से 50 वर्षों के लिए वैध होगा। लीज़ संभवतः 2026 में निष्पादित होगा और लीज़ निष्पादन के आधार पर यह 2076 तक वैध रहेगा।

माइनिंग प्लान की मंजूरी की स्थिति

प्रगतिशील माइनिंग बंद करने की योजना के साथ माइनिंग प्लान योजना को पत्र संख्या E12030-MCDR-MPC0LST/28/2024-AJM-IBM_RO_AJM, दिनांक 27.11.2024 के तहत अनुमोदित किया गया है।

परियोजना की आवश्यकता

- रिपोर्ट का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए आधारभूत पर्यावरणीय विशेषताओं को स्थापित करना तथा प्रभावों की भविष्यवाणी/पहचान करना है।
- भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत का सीमेंट उद्योग इसकी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दस लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार प्रदान करता है।

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरोही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

इस परियोजना का राष्ट्र के लिए महत्व यह है कि भारत जैसे विकासशील देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए सीमेंट आवश्यक है। इसलिए, इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, चूना पत्थर की माइनिंग राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है।

- यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद करेगी क्योंकि यह परियोजना विभिन्न करों और शुल्कों के माध्यम से राज्य और राष्ट्रीय राजकोष में भी योगदान देगी। क्षेत्र और उसके आसपास प्रस्तावित अतिरिक्त विकास कार्यों से, सहायक सुविधाओं/बुनियादी ढाँचे में वृद्धि होगी जिससे अंततः क्षेत्र का और अधिक विकास होगा। यह उपभोक्ताओं के लिए सीमेंट की माँग और आपूर्ति के बीच के अंतर को भी मिटाएगा। यह परियोजना क्षेत्र और राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देगी; स्थानीय बाजार में आय-व्यय में वृद्धि के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था फले-फूलेगी। इसलिए, यह परियोजना राज्य और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

परियोजना विवरण

तालिका 1 : परियोजना विवरण

क्र. सं.	विवरण	विस्तृत विवरण
A.	परियोजना का विवरण	ओपनकास्ट मेकेनाइज्ड लाइमस्टोन माइनिंग
B.	परियोजना का आकार	
1.	माइनिंग ब्लॉक क्षेत्र	800.9935 हेक्टेयर (सरकारी बंजर भूमि- 227.9500 हेक्टेयर (29%) और चारागाह/चारागाह भूमि- 21.0900 हेक्टेयर (3%) और निजी कृषि भूमि- 551.9535 हेक्टेयर (68.0%)।)
2.	प्रोपोजल	➤ लाइमस्टोन उत्पादन क्षमता: 2.85 मिलियन टीपीए ➤ ओबी/अपशिष्ट - 5.78 मिलियन टीपीए ➤ ऊपरी मृदा - 0.04 मिलियन टीपीए ➤ मिनरल रिजेक्ट - 0.24 मिलियन टीपीए ➤ कुल उत्खनन - 8.91 मिलियन टीपीए ➤ क्रशर - (1000 टीपीएच) वॉबलर के साथ (200 टीपीएच)
C.	परियोजना स्थल	
1.	गांव	रोहिड़ा, भारजा, तारुंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली
2.	तहसील	पिंडवाड़ा
3.	ज़िला	सिरोही
4.	राज्य	राजस्थान
5.	अक्षांश देशांतर	अक्षांश: 24° 32' 47.3874"N से 24° 38' 33.7254"N देशांतर: 72° 51' 57.958"E से 72° 57' 57.515"E
6.	टोपोशीट नं.	45डी/14, 15 और 45 एच/2
D.	पर्यावरणीय सेटिंग विवरण (माइनिंग सीमा से लगभग हवाई दूरी और दिशा सहित)	

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

1.	निकटतम गाँव	विवरण		दूरी (किमी)	दिशा	
				(लीज सीमा से)		
निकटतम आवास						
		वासा	0.53	दक्षिणपूर्व		
		रोहिड़ा	0.48	पूर्व		
		वाडा	0.41	पश्चिम		
		भुजेला	1.23	उत्तर पश्चिम		
		भारजा	पट्टा क्षेत्र के भीतर गाँव का कुछ हिस्सा आ रहा है	--		
		तारूंगी	पट्टा क्षेत्र के भीतर गाँव का कुछ हिस्सा आ रहा है	--		
		भीमाना	0.24	उत्तर पश्चिम		
		वटेरा	50 मीटर	पूर्व		
		पिपेला	0.31	पश्चिम उत्तर पश्चिम		
		हीरावाला	0.37	उत्तर उत्तर पूर्व		
घनी आबादी						
		रोहिड़ा	0.48	पूर्व		
		वासा	0.53	दक्षिण पूर्व		
		वटेरा	50 मीटर	पूर्व		
		भीमाना	0.24	उत्तर पश्चिम		
		भारजा	पट्टा क्षेत्र के भीतर गाँव का कुछ हिस्सा आ रहा है	--		
		स्वरूपगंज	2.98	पश्चिम उत्तर पश्चिम		
2.	निकटतम शहर/कस्बा	विवरण	नाम	दूरी, दिशा (लीज सीमा से)		
		निकटतम शहर	अबू रोड	9.82 किमी, दक्षिण पश्चिम		
		निकटतम शहर	सिरौही	27.53 किमी, उत्तर-पश्चिम		
		निकटतम जिला मुख्यालय	सिरौही	27.80 किमी, उत्तर-पश्चिम		
		स्रोत: - मापी गई दूरियां एसओआई से ली गई हैं, टोपोगीट परियोजना के लिए प्रासंगिक संकेतक हैं।				
3.	निकटतम राजमार्ग	क्र. सं.	विवरण	दूरी (किमी)	दिशा	
				(लीज सीमा से)		
		मार्ग सुविधा				
		1.	एनएच 27	1.70	उत्तर पश्चिम	
		2.	एनएच-927ए	पट्टा क्षेत्र से गुजरते हुए		--
		3.	एमडीआर-49	2.64	पश्चिम	
		4.	एमडीआर-60	6.98	पश्चिम	
		5.	एसएच 11	9.55	दक्षिण पश्चिम	
4.	निकटतम रेलवे स्टेशन	विवरण	नाम	दूरी और दिशा (पट्टा सीमा से)		
		रेलवे स्टेशन	किवराली रेलवे स्टेशन	पश्चिम दक्षिण पश्चिम में 2.56 किमी		
			भीमाना रेलवे स्टेशन	2.70 किमी, उत्तर पश्चिम		
			न्यूस्वरूपगंज रेलवे स्टेशन	2.97 किमी, उत्तर पश्चिम		
				मोरथला रेलवे स्टेशन	7.97 किमी, दक्षिण पश्चिम	
5.	निकटतम हवाई अड्डा	महाराणा प्रताप हवाई अड्डा उदयपुर ~ 90.76 किमी, पूर्व				

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

6.	परियोजना स्थल के 10 किमी के अंतर्गत राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीवन अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व, वन्यजीव गलियारे, बाघ/हाथी रिजर्व, संरक्षित वन आदि	माउंट आबू वन्य जीव अभयारण्य उत्तर-पश्चिम दिशा में 5.47 किमी की दूरी पर स्थित है (11.11.2020 को अधिसूचित)। माउंट आबू वन्य जीव अभयारण्य के लिए ESZ घोषित किया गया है।			
6.	अध्ययन क्षेत्र के 10किमी के अंतर्गतआरक्षित/संरक्षित वन	क्र. सं.	विवरण	दूरी (किमी) (लीज सीमा से)	दिशा
जंगलों					
	1.	आरक्षित वन निकट ग्राम वासा	0.055	दक्षिण	
	2.	संरक्षित वन निकट ग्राम हीरावाला	0.56	पूर्वोत्तर	
	3.	आरक्षित वन निकट ग्राम वाडा	0.96	दक्षिण पश्चिम	
	4.	किंवदाली का जोर आरक्षित वन	1.10	पश्चिम	
	5.	आरक्षित वन निकट ग्राम पिपेला	1.10	उत्तर पश्चिम	
	6.	आरक्षित वन निकट ग्राम पिपेला	2.08	उत्तर पश्चिम	
	7.	आरक्षित वन निकट ग्राम स्वरूपगंज	2.10	उत्तर पश्चिम	
	8.	माउंट आबू वन्य जीवन अभयारण्य	5.47	उत्तर पश्चिम	
	9.	नितौरा जोर आरक्षित वन	8.00	उत्तर पश्चिम	
7.	अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के अंतर्गतजल निकाय	क्र. सं.	विवरण	दूरी (किमी) (लीज सीमा से)	दिशा
जल समिति					
	1.	हुकली नदी	8.89	उत्तर उत्तर पूर्व	
	2.	सिल्वा नाला	5.54	पूर्व	
	3.	कोसिया भागरा नाला	7.72	पूर्व	
	4.	अखलेती नाला	5.85	पूर्व	
	5.	मंडवाड़ा वितरिका	3.36	पूर्व	
	6.	खारा वितरिका	1.27	पूर्व-दक्षिण पूर्व	
	7.	चित्रिया नाला	4.99	दक्षिण पूर्व	
	8.	सुकली नदी	पट्टा क्षेत्र से गुजरते हुए	--	
	9.	बत्रिया नदी	3.55	दक्षिण पूर्व	
	10.	बायीं नहर	1.52	पूर्व	
	11।	बनास नदी	2.37	पश्चिम उत्तर पश्चिम	
	12.	गबीर नाला	2.90	उत्तर पश्चिम	
	13.	दाहिनी नहर	5.29	उत्तर पश्चिम	
	14.	ग्रांगरी नाला	4.47	उत्तर उत्तर पूर्व	
	15.	संगवाड़ा माइनर	5.25	उत्तर पश्चिम	
	16.	संगबारिया नाला	5.51	उत्तर पश्चिम	
	17.	सुकली नदी	5.24	उत्तर पश्चिम	
8.	भूकंपीय क्षेत्र	आईएस - 1893 (भाग-1) -2002 के अनुसार जोन – III			
D.	कीमत का विवरण				
1.	कुल परियोजना की	203.526 करोड़ रुपये			

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

	कीमत	
2.	पर्यावरण संरक्षण उपायों की कीमत	पूँजीगत कीमत: 19 करोड़ रुपये आवर्ती कीमत: 1.43 करोड़ रुपये/वर्ष

स्रोत: परियोजना स्थल भ्रमण और पूर्वव्यवहार्यता रिपोर्ट

माइनिंग का विवरण

तालिका 2: माइनिंग का विवरण

क्र. सं.	विशिष्ट	विवरण
1.	माइनिंग की विधि	ओपनकास्ट मेकेनाइज्ड लाइमस्टोन माइनिंग
2.	उत्पादन क्षमता	लाइमस्टोन: 2.85 मिलियन टीपीए
3.	कुल भूवैज्ञानिक भंडार	27,67,13,725.85 मीट्रिक टन (276.71 मिलियन टीपीए)
4.	कुल माइनिंग योग्य भंडार	5,67,92,655.3 मीट्रिक टन (56.79 मिलियन टीपीए)
5.	माइनिंग लाइफ	20 वर्ष
6.	बेंच की ऊँचाई	10 मीटर
7.	बेंच की चौड़ाई	15-20 मीटर
8.	ऊँचाई सीमा	उच्चतम -360 एमएसएल; निम्नतम - 295 एमएसएल,
9.	जल स्तर	मानसून पूर्व जल स्तर - 235 एमएसएल (60 मीटर बीजीएल) जल स्तर:- मानसून के बाद 240 एमएसएल (55 मीटर
10.	गड्ढे की सीमा	यूपीएल- 300-200 एमएसएल
11।	कार्य दिवस की संख्या	300
12.	कार्य शिफ्टों की संख्या	2 शिफ्ट

स्रोत: स्वीकृत माइनिंग प्लान और प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान से लिया गया

माइनिंग का तरीके

माइनिंग ऑपरेशन ओपनकास्ट विधि द्वारा किया जाएगा, जिसमें नियंत्रित ब्लास्टिंग तकनीक NONEL (गैर-विद्युतीय आरंभ प्रणाली) के साथ-साथ भारी अर्थ मूविंग मशीनरी (HEMM अर्थात हाइड्रोलिक उत्खननकर्ता, रियर डंप ट्रक, हाइड्रोलिक ड्रिल, बुलडोजर आदि) का उपयोग किया जाएगा। लोडिंग हाइड्रोलिक उत्खननकर्ताओं द्वारा की जाएगी। लाइमस्टोन को डंपरों द्वारा लीज क्षेत्र में स्थित प्रस्तावित क्रशर (1000TPH) तक पहुँचाया जाएगा। पिसे हुये लाइमस्टोन को ढके हुए कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से सीमेंट प्लांट तक पहुँचाया जाएगा।

वार्षिक उत्पादन और खुदाई

तालिका 3 : योजना अवधि के दौरान खुदाई का विवरण (मिलियन टन में)

वर्ष	मिट्टी (मिलियन टन में)	ओबी (मिलियन टन में)	मिनरल रिजेक्ट मिलियन टन में	खनिज (मिलियन टन में)	कुल खुदाई (मिलियन टन में)
पहला वर्ष	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
दूसरा वर्ष	0.0001	0.0036	0.0015	0.0183	0.0239

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

तीसरा वर्ष	0.04	5.7840	0.2478	2.8497	8.923
चौथा वर्ष	0.0051	3.7171	0.2477	2.8496	6.8283
पांचवा वर्ष	0.0010	2.3403	0.2478	2.8499	5.4409

स्रोत: स्वीकृत माइनिंग प्लान और प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान से लिया गया

पर्यावरण का विवरण

पर्यावरणीय अध्ययनों के लिए आधारभूत आंकड़े ग्रीष्म ऋतु (मार्च से मई 2023) के दौरान एकत्र किए गए हैं और प्रस्तावित परियोजना के लिए पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन करने हेतु आधारभूत आंकड़ों को ग्रीष्म ऋतु (मार्च से मई 2025) में पुनः किया गया है।

परिवेशीवायु गुणवत्ता

PM10: देलदर गाँव में 8 स्थानों पर PM10 का अधिकतम मान $68.9 \mu\text{g}/\text{m}^3$ और तारुंगी (लीज क्षेत्र के भीतर), रोहिड़ा गाँव के पास PM10 का न्यूनतम मान $44.5 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। जबकि, पुनर्वैधीकरण में 11 स्थानों पर आधारभूत आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें भीमाना गाँव में PM10 का अधिकतम मान ($66.8 \mu\text{g}/\text{m}^3$) और गाँव के पास न्यूनतम मान $29.0 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा $100 \mu\text{g}/\text{m}^3$ है।

PM2.5: देलदर, भीमाना गाँव में PM2.5 का अधिकतम मान $40.4 \mu\text{g}/\text{m}^3$ और उडवरिया, हीरावाला (लीज क्षेत्र के भीतर) गाँव में PM2.5 का न्यूनतम मान $26.8 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। जबकि, पुनर्वैधीकरण में 11 स्थानों पर आधारभूत आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें भीमाना गाँव में PM2.5 का अधिकतम मान ($43.5 \mu\text{g}/\text{m}^3$) और वाडा गाँव के पास न्यूनतम मान $18.5 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा $60 \mu\text{g}/\text{m}^3$ है।

SO₂: देलदर गाँव में SO₂ का अधिकतम मान $8.3 \mu\text{g}/\text{m}^3$ और रोहिड़ा (वासा), निकटवर्ती गाँव (रोहिड़ा), वाडा, भीमाना, उडवरिया, हीरावाला (पट्टा क्षेत्र के भीतर) गाँव में SO₂ का न्यूनतम मान $6.0 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। जबकि, पुनर्वैधीकरण में आधारभूत आँकड़ों का 11 स्थानों पर परीक्षण किया गया है, जिनमें उडवरिया गाँव में SO₂ का अधिकतम मान ($16.4 \mu\text{g}/\text{m}^3$) और भारजा गाँव के पास न्यूनतम मान $7.0 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा $80 \mu\text{g}/\text{m}^3$ है।

NO₂: देलदरगाँव में NO₂ का अधिकतम मान $15.2 \mu\text{g}/\text{m}^3$ और तारुंगी (लीज क्षेत्र के भीतर), रोहिड़ा (वासा) गाँव में NO₂ का न्यूनतम मान $6.2 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। जबकि, पुनर्वैधीकरण में 11 स्थानों पर आधारभूत आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें देलदर गाँव में NO₂ का अधिकतम मान ($25.0 \mu\text{g}/\text{m}^3$) और भारजा गाँव के पास न्यूनतम मान $10.7 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा $80 \mu\text{g}/\text{m}^3$ है।

CO: तारुंगी (लीज क्षेत्र के भीतर), रोहिरा (वासा), निकटवर्ती गाँव (रोहिड़ा), देलदर, भीमाना और हीरावाला (लीज क्षेत्र के भीतर) गांवों में CO का अधिकतम मान $802 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया और निकटवर्ती गाँव (रोहिड़ा), वाडा, उडवरिया,

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

हीरावाला (लीज क्षेत्र के भीतर) गांवों में CO का न्यूनतम मान $458 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। जबकि, पुनर्वैधीकरण में आधारभूत आंकड़ों को 11 स्थानों पर किया गया है, जिसमें तरंगी गांव में CO का अधिकतम मान ($940 \mu\text{g}/\text{m}^3$) और वाडा गांव के पास न्यूनतम मान $240 \mu\text{g}/\text{m}^3$ पाया गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 8 घंटे की लागू सीमा $2000 \mu\text{g}/\text{m}^3$ है।

ध्वनि स्तर

(A) दिन के समय ध्वनि स्तर $\text{Leq}(\text{दिन})$

परियोजना क्षेत्र में दिन के समय (लीकडे) ध्वनि स्तर 51.7 dB(A) पाया गया, जो 75 dB(A) की निर्धारित सीमा के भीतर है, और आवासीय क्षेत्रों में 49.5-53.9 dB(A) की सीमा में पाया गया, जो 55 dB(A) की निर्धारित सीमा के भीतर है। जबकि, पुनर्वैधीकरण में 11 स्थानों पर आधारभूत आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है, जिनमें उडवरिया गाँव में ध्वनि स्तर का अधिकतम मान 54.1 dB(A) और भारजा गाँव के पास न्यूनतम मान 36.5 dB(A) पाया गया।

(B) रात्रि के समय ध्वनि स्तर $\text{Leq}(\text{रात})$

परियोजना क्षेत्र में रात्रिकालीन (Leqnight) ध्वनि स्तर 42.8 dB(A) की सीमा में पाया गया, जो 70 dB(A) की निर्धारित सीमा के भीतर है और आवासीय क्षेत्रों में 41.3 – 43.7 dB(A) की सीमा में पाया गया, जो 45 dB(A) की निर्धारित सीमा के भीतर नहीं है। जबकि, पुनर्वैधीकरण में 11 स्थानों पर आधारभूत आँकड़ों का विश्लेषण किया गया, जिनमें हीरावाला गाँव में ध्वनि स्तर का अधिकतम मान 44.9 dB(A) और रोहिड़ा (वासा) गाँव के पास न्यूनतम मान 33.9 dB(A) पाया गया।

उपरोक्त अध्ययन और चर्चाओं से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अध्ययन क्षेत्र में ध्वनि का स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर है।

सतही जल की गुणवत्ता

मार्च से मई 2023 के दौरान एकत्रित नमूनों के परिणाम दर्शाते हैं कि सतही जल की गुणवत्ता निर्धारित मानक सीमा (वर्ग C) के भीतर पाई गई। विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि सतही जल का pH मान 7.16 – 8.05 के बीच है। TDS 432 – 524 Mg/l के बीच पाया गया। उल्लेखनीय है कि नमूना मार्च से मई 2025 के बीच पुनर्वैधीकरण एकत्रित किया गया था। विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि सतही जल का pH मान 7.36 – 7.68 के बीच है। TDS 283.88 – 427.34 Mg/l के बीच पाया गया।

अन्य पैरामीटर जैसे कि CaCO_3 के रूप में कुल कठोरता 152-160 mg/L की सीमा में है, कुल क्षारीयता 192-240 mg/L है, घुलित ऑक्सीजन 2.4-2.6 mg/L है, ई-कोलाई अनुपस्थित है। अन्य पैरामीटर जैसे कि Ca के रूप में कैल्शियम, Mg के रूप में मैग्नीशियम, Cl के रूप में क्लोराइड, SO_4 के रूप में सल्फेट और फ्लोराइड स्वीकार्य सीमा में पाए गए। टोटल हार्डनेस CaCO_3 108-1604 mg/L की सीमा में है, कुल क्षारीयता 96-140 mg/L है, घुलित ऑक्सीजन 5.40-6.20 mg/L है। अन्य पैरामीटर जैसे कि Ca के रूप में कैल्शियम, Mg के रूप में मैग्नीशियम, Cl के रूप में क्लोराइड, SO_4 के रूप में सल्फेट और फ्लोराइड स्वीकार्य सीमा में पाए गए।

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

सतही जल की गुणवत्ता का विश्लेषण आयरन, एल्युमीनियम, बोरोन, फेनोलिक यौगिक, एनायनिक डिटर्जेंट, जिंक, कॉपर, मैंगनीज, सीसा, सेलेनियम, आर्सेनिक, निकल, पारा, हेक्सा क्रोमियम आदि के लिए भी किया गया, जो पता लगाने की सीमा से नीचे पाए गए।

भूमिगत जल की गुणवत्ता

विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि भूमिगत जल का pH मान 6.9 से 7.6 के बीच पाया गया। TDS 798 - 3489 mg/l के बीच पाया गया। अन्य मापदंड जैसे टोटल हार्डनेस (CaCO₃) (264 से 1300 mg/l), कुल क्षारीयता (256 से 496 mg/l), कैल्शियम (Ca) (81.60 - 457.60 mg/l), मैग्नीशियम (Mg) (14.58 - 114.70 mg/l), क्लोराइड (Cl) (167.95 - 1533.52 mg/l), सल्फेट (SO₄) (23.89 - 345.98 mg/l) और फ्लोराइड (F-) (0.77 - 1.27 mg/l) जोनमूने मानसून ऋतु (मार्च से मई 2025) के दौरान एकत्र किए गए थे, उनके पुनर्वैधीकरण के परिणाम बताते हैं कि भूमिगत जल का pH मान 7.05 से 7.57 के बीच पाया गया। TDS 733 - 2860 mg/l के बीच पाया गया। अन्य मापदंड जैसे टोटल हार्डनेस (CaCO₃ के रूप में) (256 से 804 mg/l), कुल क्षारीयता (236 से 732 mg/l), कैल्शियम (Ca) के रूप में (64.0-227.20 mg/l), मैग्नीशियम (Mg) के रूप में (21.38-63.18 mg/l), क्लोराइड (Cl) के रूप में (60-588 mg/l) और फ्लोराइड (F-) के रूप में (0.34 - 1.23 mg/l)।

मिट्टी की गुणवत्ता

मिट्टी के नमूनों का पीएच मान 7.29 से 8.07 के बीच था। मिट्टी के नमूनों की बनावट मुख्यतः गादयुक्त दोमट मिट्टी की है। सभी नमूना स्थानों पर मिट्टी के नमूने मुख्यतः गहरे भूरे और लाल-भूरे रंग के थे।

अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी गाद-दोमट है जो भूरे रंग की उपजाऊ मिट्टी को दर्शाती है। अध्ययन क्षेत्र के मिट्टी के नमूनों का पीएच क्षारीय है। मार्च से मई 2023 तक यह 7.71 (डेलडर) से 8.25 (भीमाना) और मार्च से मई 2025 तक भारजा गाँव में 7.34 से 8.31 (भीमाना) के बीच है। इन परिणामों से पता चलता है कि सभी मिट्टी के नमूने क्षारीय प्रकृति के हैं। कार्बनिक कार्बन: मिट्टी के नमूनों में कार्बनिक कार्बन का मान मार्च से मई 2023 में निम्न <0.50 (तरंगी (लीज क्षेत्र के भीतर), वाडा, हीरावाला (लीज क्षेत्र के भीतर)) से लेकर उच्च 0.73% (भीमना) और मार्च से मई 2025 में 0.53% (वटेरा) से 0.80% (भीमना) तक भिन्न होता है। परिणामों के अवलोकन से पता चलता है कि कार्बनिक कार्बन निम्न से मध्यम श्रेणी में है, जो अध्ययन क्षेत्र में निम्न से अच्छी मिट्टी की उर्वरता को दर्शाता है।

प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय

वायु पर्यावरण

माइनिंग गतिविधियों (ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, लोडिंग, अनलोडिंग और परिवहन) से होने वाले प्रमुख वायु उत्सर्जन कणिकीय तत्व, नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO₂) और सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂) हैं।

नियंत्रित ब्लास्टिंग, ड्रिलिंग से पहले पानी का छिड़काव, ब्लास्टिंग और परिवहन गतिविधियों के दौरान, द्वितीयक ब्लास्टिंग से बचने के लिए रॉक ब्रेकर का उपयोग, हरित पट्टी/वृक्षारोपण आदि जैसे उचित शमन उपाय, फ्यूजिटिव उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए किए जाएँगे। उपकरणों और HEMM का बेहतर रखरखाव, खनन उपकरणों और वाहनों की PUC जाँच, उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी। उचित सुरक्षा उपाय जैसे बैग फिल्टर का

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

उपयोग, धूल को हवा में फैलने से रोकने के लिए क्रशर हॉपर पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव, विशेष रूप से चार्जिंग हॉपर और क्रशिंग स्थल पर वायुरोधी दीवारों का निर्माण, और क्रशर के आसपास हरित पट्टी/वृक्षारोपण का विकास, ताकि फ्यूजिटिव धूल को रोका जा सके, आदि किए जाएंगे।

जल पर्यावरण

मौसमी जल निकाय जैसे सुकली नदी माइनिंग क्षेत्र में आते हैं और हुकली नदी, सिल्वा नाला, कोसिया भागरा नाला, अखलेटी नाला, मंडवाड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी, खारा डिस्ट्रीब्यूटरी, चित्रिया नाला, बत्रिया नदी, बायीं नहर, बनास नदी, गबीर नाला, दायीं नहर, ग्रेगरी बाला, संगवाड़ा माइनर, संगबारिया बालो अध्ययन क्षेत्र में मौजूद हैं, जिन्हें मानसून अवधि में पानी मिलता है और इन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इनमें से अधिकांश क्षेत्र दूर में स्थित हैं।

भूमिगत जल

सामान्य ऊँचाई 296 मीटर AMSL से 361 मीटर AMSL तक है। प्री मानसून अवधि के दौरान पिंडवाड़ा ब्लॉक का औसत जल स्तर 13 मीटर बीजीएल और पोस्ट मानसून जल स्तर 10 मीटर बीजीएल है। तीसरे वर्ष से भूजल को प्रतिच्छेदित किया जाएगा और इस तरह के प्रतिच्छेदन से पहले केंद्रीय भूजल प्राधिकरण से जल प्रतिच्छेदन की अनुमति ली जाएगी। कामकाजी चेहरों से खदान के रिसाव को निचले बेंचों पर स्थित नाबदानों में एकत्र किया जाएगा और खदान में इसके उपयोग के लिए पानी को पंप किया जाएगा और अतिरिक्त पानी को आसपास के ग्रामीणों को दिया जाएगा। खनिज चूना पत्थर और संबंधित चट्टानों में कोई विषाक्त पदार्थ नहीं है, इसलिए भूजल की गुणवत्ता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खान कार्यालय से उत्पन्न घरेलू अपशिष्ट जल (8.0 केएलडी) मॉड्यूलर एसटीपी (10 केएलडी) होगा और उपचारित पानी का उपयोग ग्रीनबेल्ट/वृक्षारोपण में किया जाएगा केएमपीएल माइन पिट के विकास के बाद भूजल के उपयोग को कम करने के प्रयास करेगी। कंपनी ढुलाई मार्गों पर पानी के वाष्पीकरण को कम करने के लिए गैर-विषैले रसायनों का भी उपयोग करेगी। जल संरक्षण के लिए क्रशर अनलोडिंग हॉपर पर शुष्क कोहरा प्रणाली प्रस्तावित है। मानसून या मानसून के बाद, अतिरिक्त पानी को निकालने की आवश्यकता होती है, यह प्राकृतिक धाराओं या नालों में मिलने से पहले उचित अवसादन के लिए अवसादन तालाब/चेक डैम/फ़िल्टर से होकर गुज़रेगा। भूजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जाएगी।

ध्वनि और कंपन

माइनिंग गतिविधि के प्रमुख शोर स्रोत ड्रिलिंग, विस्फोटन और लाइमस्टोन की लोडिंग और परिवहन के लिए तैनात HEMM हैं।

ध्वनि और कंपन को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय किए जाएंगे। ड्रिलिंग तेज ड्रिल बिट्स की मदद से की जाएगी। ध्वनि और कंपन को काफी हद तक कम करने के लिए उचित ब्लास्ट डिज़ाइन और विस्फोटक चयन के माध्यम से नियंत्रित ब्लास्टिंग तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। द्वितीयक ब्लास्टिंग के स्थान पर हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का उपयोग किया जाएगा। आस-पास की बस्तियों पर ब्लास्टिंग के प्रभाव को कम करने के लिए डीजीएमएस

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। ऑपरेटरों के लिए ध्वनिक केबिनों से सुसज्जित एचईएमएम उपलब्ध कराए जाएंगे। एचईएमएम का उचित रखरखाव, तेल और ग्रीसिंग की जाएगी। खदान श्रमिकों को ईयरप्लग/ईयरमफ जैसे पीपीई उपलब्ध कराए जाएंगे। माइनिंग सीमा के साथ हरित पट्टी/वृक्षारोपण का विकास ध्वनि के स्तर को कम करने में मदद करता है।

क्रशिंग से ध्वनि प्रदूषण भी होगा। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उचित शमन उपाय, जैसे इंसुलेटर और बंद ध्वनिक प्रणालियाँ, उपलब्ध कराई जाएंगी। क्रशर के आसपास वृक्षारोपण भी किया जाएगा जिससे ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

योजना अवधि के दौरान 11.8452 मिलियन टन ओबी और 0.7450 मिलियन टन खनिज अपशिष्ट उत्पन्न होगा। संकल्पनात्मक स्तर पर, लगभग 65.97 मिलियन टन ओबी और 4.94 मिलियन टन खनिज अपशिष्ट उत्पन्न होगा जिसका उपयोग बैकफिलिंग के लिए किया जाएगा।

भूमि पर्यावरण

अनुमोदित माइनिंग योजना के अनुसार, कुलमिनरल रिजेक्ट क्षेत्र 121.96 हेक्टेयर होगा, जिसमें से 72.66 हेक्टेयर क्षेत्र को पुनः भरा जाएगा और 49.30 हेक्टेयर का उपयोग वर्षा जल संग्रहण के लिए किया जाएगा। उपयोगिता और सेवाओं के अंतर्गत 30.40 हेक्टेयर क्षेत्र होगा। लगभग 592.99 हेक्टेयर क्षेत्र अछूता रहेगा। 55.64 हेक्टेयर क्षेत्र में हरित पट्टी और वृक्षारोपण विकसित किया जाएगा।

परियोजना पश्चात पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

तालिका 4 : परियोजना पश्चात निगरानी कार्यक्रम

क्र. सं.	विवरण	निगरानी की आवृत्ति
1.	सूक्ष्म-मौसम संबंधी डेटा	प्रति घंटा
2.	वायु गुणवत्ता	सीपीसीबी दिशानिर्देश के अनुसार ऑनलाइन सीएएक्यूएमएस और मैनुअल
3.	जल की गुणवत्ता और स्तर	त्रैमासिक
4.	ध्वनि स्तर की निगरानी	त्रैमासिक
5.	कंपन निगरानी	हर विस्फोट पर
6.	कर्मचारियों की चिकित्सा जांच	3 से 5 वर्ष का अंतराल
7.	ब्लॉक क्षेत्र का डिजिटल मानचित्रण/ड्रोन सर्वेक्षण	3 वर्ष में एक बार/आईबीएम दिशानिर्देशों के अनुसार

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरोही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

अतिरिक्त अध्ययन

अतिरिक्त अध्ययन अर्थात जल-भूवैज्ञानिक अध्ययन, जैविक अध्ययन, पुनर्वास एवं पुनर्वास योजना तथा जोखिम मूल्यांकन एवं आपदा प्रबंधन योजना को एफ. संख्या IA-J-11015/81/2024-IA-II(NCM), दिनांक 05.05.2025 के तहत जारी संदर्भ शर्तों के अनुसार ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

जल-भूवैज्ञानिक अध्ययन

कुल जल आवश्यकता 150 केएलडी होगी। जहाँ कोई खनन गतिविधि प्रस्तावित नहीं है, वहाँ दो वर्षों के लिए पीने और घरेलू उपयोग के लिए आवश्यक 9.5 केएलडी जल निकासी हेतु एनओसी प्राप्त की जा रही है। कुल जल आवश्यकता 150 केएलडी है, जिसके लिए सीजीडब्ल्यूए एनओसी तीन वर्षों के कार्य प्रारंभ करने से पहले प्राप्त की जाएगी। खदान की प्रगति और वर्षा जल संचयन हेतु खदान गड्ढों के विकास के साथ भूजल की खपत धीरे-धीरे कम होती जाएगी।

सीजीडब्ल्यूए द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विस्तृत जल-भूवैज्ञानिक अध्ययन किया गया है और इस ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है।

अध्ययन के अनुसार, बहु-स्तरीय जलभृत प्रणाली और कम पारगम्यता के कारण, व्यक्तिगत जल-भूवैज्ञानिक इकाइयों में ड्रॉडाउन शंकु छोटे और एक के ऊपर एक होंगे, इसलिए भूजल संसाधनों पर प्रभाव नगण्य होगा।

इसके अलावा, निकाला गया चूना पत्थर स्वच्छ है और इसमें किसी भी विषैले रसायन का उपयोग नहीं किया जाएगा, इसलिए जल गुणवत्ता संबंधी जोखिम कम होने की उम्मीद है। नदी और नालों से 50 मीटर की दूरी पर खनन-निषेध बफर ज़ोन बनाए रखा जाएगा और गाद व अपशिष्ट के प्रवेश को रोकने के लिए तटबंध, मलबे से बचाव वाली दीवार (3×2×2 मीटर), गारलैंड नालियाँ और गाद जमा करने वाले टैंक जैसी सुरक्षात्मक संरचनाएँ बनाई जाएँगी।

खदान पट्टा क्षेत्र की जल गुणवत्ता सभी उद्देश्यों के लिए अच्छी है। खनन गतिविधियों से भूजल की गुणवत्ता में गिरावट आने के कारण कोई रिसाव या संदूषण का कोई अन्य स्रोत नहीं होगा। इसलिए, भूजल निकासी के कारण गुणवत्ता पर कोई अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जैविक पर्यावरण

अध्ययन क्षेत्र की वनस्पति और जीव विविधता का अध्ययन करने के लिए परियोजना क्षेत्र के अंदर और आसपास के 10 किलोमीटर के अंतर्गतप्रभाव क्षेत्र में प्राथमिक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया।

अध्ययन क्षेत्र में किए गए अध्ययन और वन रेंज कार्यालय, पिंडवाड़ा और प्रभागीय वन अधिकारी, सिरोही से एकत्रित जानकारी के अनुसार, यह पाया गया है कि माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य खान पट्टा क्षेत्र से 5.47 किमी दूर स्थित

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरड़ोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

है, जबकि खान पट्टे के 10 किमी के अंतर्गत में कोई राष्ट्रीय उद्यान, बायोस्फीयर रिजर्व, वन्यजीव कॉरिडोर, रामसर साइट, टाइगर/हाथी रिजर्व/(मौजूदा और प्रस्तावित) नहीं हैं।

वनस्पतियों और जीवों की प्रमाणित सूची को डीसीएफ, सिरौही द्वारा दिनांक 4.06.2025 के पत्र द्वारा अनुमोदित किया गया है। वनस्पतियों और जीवों की अनुमोदित सूची के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में कुल 15 अनुसूची-1 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जैसे पेंथेरा पार्डस (तेंदुआ), रुसा यूनिकलर (सांभर हिरण), फेलिस चौस (जंगल बिल्ली), पैराडॉक्सुरस हेर्मेफ्रोडिटस (कॉमन पाम सिवेट), कैनिस ल्यूप्स (इंडियन वुल्फ), हाइना हाइना (धारीदार हाइना), कैनिस ऑरियस (जैकल), वुल्फ बेंगालेंसिस (इंडियन फॉक्स), हिस्ट्रिक्स इंडिका (इंडियन पोरपाइन), मेलर्सस उर्सिनस (स्लॉथ बियर), नाजा नाजा (इंडियन कोबरा), पीटियस म्यूकोसस (कॉमन रैट स्नेक), वरानस बेंगालेंसिस (बंगाल मॉनितर लिजर्ड) पावो क्रिस्टेटस (इंडियन पीफॉवल), टैचिस्पिज़ा बडिया (शिकरा) अध्ययन क्षेत्र में दर्ज किए गए; जिन्हें भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (आईडब्ल्यूपीए), 2022 संरक्षण स्थिति के अनुसार अनुसूची-1 जीवों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

इन प्रजातियों के संरक्षण हेतु वन्यजीव संरक्षण योजना तैयार की गई है। इसके संरक्षण हेतु 475 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। वन्यजीव संरक्षण योजना आगे की स्वीकृति के लिए 16.7.2025 को वन्य जीव संरक्षण विभाग, सिरौही को प्रस्तुत की गई है, जिसे 28.7.2025 के पत्र द्वारा मुख्य वन संरक्षक, जोधपुर को भेज दिया गया है।

पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कार्य योजना

पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना का उद्देश्य स्थानीय लोगों के अधिकारों और विशेषाधिकारों को संबोधित करना, परियोजनाओं में नौकरियों का अच्छा हिस्सा सुनिश्चित करना और क्षेत्र के व्यापक सामाजिक-आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाना है।

प्रस्तावित लीज़ का क्षेत्रफल 800.9935 हेक्टेयर है जो राजस्थान के सिरौही जिले की पिंडवाड़ा तहसील के 7 गाँवों रोहिड़ा, भारजा, तारूंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरड़ोली में पड़ता है: । राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, लीज़ का कुल क्षेत्रफल 800.9935 हेक्टेयर है, जिसमें से 227.9500 हेक्टेयर सरकारी बंजर भूमि (29%), 21.0900 हेक्टेयर (3%) चरागाह भूमि और 551.9535 हेक्टेयर (68.0%) निजी कृषि भूमि है।

भारजा और तारूंगी नामक दो गाँवों की बस्तियाँ लीज़ क्षेत्र में आती हैं। प्रस्तावित माइनिंग क्षेत्र में आने वाली निजी कृषि भूमि पर कुछ व्यक्तिगत बस्तियाँ (कच्ची और पक्की) बनी हुई हैं। आपसी सहमति/बातचीत के बाद भूमि के सतही अधिकार कब्जे में आने के बाद इन बस्तियों को हटा दिया जाएगा। भूमि प्राप्त होने के बाद ही माइनिंगका कार्य किया जाएगा।

इसके अलावा, "ब्लास्टिंग डीजीएमएस द्वारा बताए गए दिशानिर्देशों और इस संबंध में नियमों का पालन करते हुए की जाएगी। हालाँकि, जब खदानें उन बस्तियों के पास पहुँच जाएँगी जिन्हें हटाया नहीं जा सकता, तो डीजीएमएस से अनुमति प्राप्त करके, डीजीएमएस द्वारा अनुमत 300 मीटर से कम दूरी के भीतर नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाएगी।

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

अन्यथा, ब्लास्टिंग के खतरे वाले क्षेत्र में खनिज निकालने के लिए हाइड्रोलिक हथौड़े से चट्टान तोड़ने जैसी अन्य माइनिंग विधि, जिसमें ब्लास्टिंग शामिल नहीं है, अपनाई जाएगी।"

केएमपीएल के पास अपनी प्रस्तावित माइनिंग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु निम्नलिखित विकल्प हैं:

विकल्प 1: एलएआरआर अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के माध्यम से माइनिंग ब्लॉक में आने वाली भूमि का अधिग्रहण करें

विकल्प 2: माइनिंग ब्लॉक क्षेत्र में आने वाले भूमि धारकों के साथ आपसी समझौते के माध्यम से बातचीत की गई दरों और नियमों व शर्तों पर भूमि अधिग्रहण करें।

केएमपीएल ने भूमि धारकों के साथ आपसी सहमति से पारस्परिक रूप से स्वीकार्य दरों पर भूमि खरीदने का प्रस्ताव रखा है।

यह प्रस्तावित है कि आवश्यक भूमि का अधिग्रहण एक बार में नहीं किया जाएगा। माइनिंग प्रयोजन हेतु आवश्यकतानुसार भूमि की खरीद चरणों में की जाएगी ताकि भूमि और उससे जुड़े लोगों को परेशानी न हो। कोई भी जबरन भूमि अधिग्रहण नहीं किया जाएगा।

जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना

हेज़ार्ड की पहचान और जोखिम मूल्यांकन के विश्लेषण करने का एक व्यवस्थित तरीका है, ताकि उनके अंतर्गत, प्रभाव और निर्मित पर्यावरण की ऐसे खतरों के प्रति संवेदनशीलता का निर्धारण किया जा सके। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यस्थलों में होने वाले हेज़ार्ड का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए हेज़ार्ड की पहचान और जोखिम मूल्यांकन और नियंत्रण के लिए एक औपचारिक प्रक्रिया मौजूद हो। अत्यधिक धूल, शोर और कंपन, शारीरिक खतरों के अलावा, खनिकों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य खतरे हैं।

प्रस्तावित लाइमस्टोन कैप्टिव माइनिंग के लिए आपदा प्रबंधन योजना का उद्देश्य प्रशिक्षण और विकास के माध्यम से सतत तैयारी की स्थिति में रहना है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति को तुरंत नियंत्रित और रोका जा सके, ताकि पूर्ण आपदा और मानव और संपत्ति की क्षति के परिणाम को रोका जा सके और यदि आपदा फिर भी घटित हो, तो उसका प्रबंधन इस प्रकार किया जा सके कि जीवन और संपत्ति की क्षति का जोखिम न्यूनतम हो।

पर्यावरण प्रबंधन योजना

केएमपीएल में पर्यावरण निगरानी, शमन उपायों के कार्यान्वयन और नियंत्रण के लिए एक पूर्ण विकसित पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ (ईएमसी) है। योग्य और कुशल इंजीनियरों और तकनीशियनों के एक समूह को प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के रखरखाव, रखरखाव और निगरानी के लिए तैनात किया जाएगा ताकि वे अपनी सर्वोत्तम दक्षता के साथ कार्यशील रहें। ईएमसी विभिन्न कार्यों की देखरेख और कार्यान्वयन करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैधानिक मानकों के भीतर बनी रहे। ईएमपी की पूंजीगत कीमत 19 करोड़ रुपये और आवर्ती कीमत 1.43 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है।

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

खनन के बाद भूमि उपयोग विवरण/पुनर्ग्रहण योजना

तालिका 5: कोर ज़ोन का माइनिंग के पश्चात भूमि उपयोग

क्र. सं.	भूमि उपयोग श्रेणी	वर्तमान भूमि उपयोग (हेक्टेयर)	5वें वर्ष के अंत में (हेक्टेयर)	संकल्पनात्मक चरण(हेक्टेयर)
1	मिट्टी का ढेर	0.0000	0.00	0.0000
2	अपशिष्ट डंप	0.0000	22.61	0.0000
	खनिज भंडारण	0.0000	0.21	0.0000
3	कुल खुदाई	6.5300	32.04	121.96
	(ए) खुदाई (जल जलाशय)	0.0000	00.0000	49.30 (जल जलाशय)
	(बी) खुदाई (वापस भरा हुआ)	0.0000	00.0000	72.66 (पुनः घास लगाना)
4	उपयोगिता सेवाओं के अंतर्गत क्षेत्र	4.85	11.11	30.40
5	वनरोपण/वृक्षारोपण (अकार्यित क्षेत्र)	0.0000	4.80 (वृक्षारोपण)	55.64 (वृक्षारोपण)
	कुल अशांत क्षेत्र	11.83	70.77	208
6	अप्रभावित क्षेत्र	789.16	730.2235	592.99
कुल		800.9935	800.9935	800.9935

स्रोत: स्वीकृत माइनिंग प्लान और प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान से लिया गया

परियोजना के लाभ

परियोजना की गतिविधियाँ सीमेंट की बढ़ती माँग को पूरा करने और इस प्रकार देश के आर्थिक विकास में सहायक होंगी। परियोजना के कार्यान्वयन से खदान राज्य और केंद्र सरकार के खजाने में माइनिंग रेवेन्यू (रॉयल्टी, प्रीमियम, डीएमएफ, एनएमईटी, जीएसटी, एसजीएसटी) के रूप में प्रति वर्ष लगभग 25.53 करोड़ रुपये का योगदान देगी।

क्षेत्र में और इसके आसपास प्रस्तावित विकास के साथ, सहायक सुविधाएं/बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा जो अंततः क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देगा। प्रस्तावित परियोजना का मुख्य लाभ सीमेंट निर्माण के लिए लाइमस्टोन की उपलब्धता है। क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर परियोजना के लाभकारी पहलू रोजगार, सेवा, व्यापार, वाणिज्य, सार्वजनिक उपयोगिता, साक्षरता, सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं, मनोरंजन आदि के क्षेत्र में हैं। क्षेत्र के स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का लाभ मिलेगा। माइनिंग से लगभग 80 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। परियोजना प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, इस प्रोपरियोजना के क्रियान्वयन से परिवहन, कार्यशालाओं की स्थापना, छोटे ठेके; वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (दुकानें), ट्रक मालिक, ड्राइवर आदि जैसे कई अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

जन सुनवाई के मुद्दों के आधार पर स्थानीय लोगों की बेहतरी के लिए चिकित्सा सुविधाओं, शिक्षा और स्वयं सहायता समूहों के गठन जैसी विभिन्न सामुदायिक विकास गतिविधियों का प्रस्ताव रखा जाएगा। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास में सहायक होगी।

परियोजना: प्रस्तावित परियोजना रोहिड़ा चूना पत्थर खदान के लिए मसौदा ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट, जिसमें चूना पत्थर की उत्पादन क्षमता 2.85 एमटीपीए, खनिज अस्वीकृत 0.24 एमटीपीए, मिट्टी 0.04 एमटीपीए और ओबी 5.78 एमटीपीए, कुल उत्खनन 8.91 एमटीपीए और 800.9935 हेक्टेयर खदान पट्टा क्षेत्र में 1000 टीपीएच क्रशर शामिल है, जो गांवों रोहिड़ा, भारजा, तरौंगी, डोलीफली, वटेरा, पिपला, खरडोली, तहसील पिंडवाड़ा, जिला सिरौही, राजस्थान में स्थित है।	कार्यकारी सारांश
आवेदक: मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड	

निष्कर्ष

ईआईए/ईएमपी अध्ययन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कार्य विवरण (टीओआर) के अनुपालन में तैयार किया गया है। भूमि, वायु, जल, ध्वनि, जैविक और सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण के आधारभूत आंकड़ों का, क्षेत्रीय जांच के साथ-साथ उपलब्ध द्वितीयक सूचनाओं का उपयोग करके, विधिवत मूल्यांकन किया गया। प्रभावों की भविष्यवाणी और मूल्यांकन किया गया और प्रस्तावित परियोजनासे उत्पन्न होने वाली पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने के लिए ईएमपी का सुझाव दिया गया।

क्षेत्र में और उसके आसपास प्रस्तावित विकास से, सहायक सुविधाएँ/बुनियादी ढाँचा उपलब्ध होगा, जो अंततः क्षेत्र के विकास में सहायक होगा। प्रस्तावित माइनिंग और उससे जुड़े सीमेंट प्लांट के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजित होंगे। क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण, परिवहन, ऑटोमोबाइल और उद्योग के संदर्भ में क्षेत्र का समग्र विकास अपेक्षित है। इस प्रकार, यह परियोजना स्थानीय लोगों और क्षेत्र के सामाजिक, पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ में योगदान देगी।

